

अड़तालिस वि. (तद्.) दे. अड़तालीस।

अड़तालीस वि. (तद्.) चालीस और आठ के योग से बनी संख्या, (48)।

अड़तालीसवाँ वि. (तद्.) वह क्रमवाचक संख्या, जिसका स्थान सैंतालीसवीं संख्या के बाद है।

अड़तीस वि. (तद्.) तीस और आठ के योग से बनी संख्या, (38)।

अड़तीसवाँ वि. (तद्.) वह क्रमसूचक संख्या जिसका स्थान सैंतीसवीं संख्या के बाद है।

अड़ना अ.क्रि. (तद्.) 1. रुकना, अटकना, ठहरना 2. हठ करना 3. ठानना।

अड़बंग वि. (तद्.) 1. टेढ़ा-मेढ़ा, ऊँचा-नीचा, अटपटा 2. विकट, कठिन 3. विलक्षण, अद्भुत।

अड़ल वि. (तद्.) भूवि. लैगून को लगभग घेरे हुए प्रवाल भित्ति या कम दूरियों पर स्थित प्रवाल द्वीप। atoll

अड़व वि. (तद्.) ओड़व या ओडव, एक राग जिसमें पाँच स्वर (षड्ज, गांधार, मध्यम, धैवत और निषाद) ही लगते हैं उदा. राग मालकोष, दुर्गा, भूपाली, आदि।

अड़सठ वि. (तद्.) साठ और आठ के योग से बनी संख्या, (68)।

अड़सठवाँ वि. (तद्.) वह क्रमसूचक संख्या जिसका स्थान सड़सठवीं संख्या के बाद है।

अड़हुल वि. [तद्.ओण+फुल्ल] गुड़हल, जपाकुसुम, जवापुष्प, हिबिस्कस वंश के मैलवैसी कुल का एक पुष्पी पादप जिसकी पत्तियाँ दंतुरित और फूल सुगंधित, बड़े, लाल और दर्शनीय होते हैं। hibiscus

अड़ा-अड़ी स्त्री. (देश.) एक दूसरे से आगे बढ़ने की प्रतिस्पर्धा, होड़।

अड़ान पुं. (तद्.) 1. रुकने की जगह 2. वह स्थान जहाँ पर पथिक विश्राम करते हैं, पड़ाव।

अड़ाना स.क्रि. (देश.) 1. उलझाना, फंसाना, टिकाना, ठहराना 2. टेकना, डाट लगाना 3. कोई

वस्तु बीच में डालकर गति रोकना 4. भरना या ठूसना पुं. (तद्.) आसावरी थाठ का राग जो दरबारी कान्हड़ा की भांति गाया जाता है, लेकिन अड़ाना के गायन में तार सप्तक का उपयोग प्रधान होता है।

अड़ायती वि. (देश.) जो आड़ करे, ओट करने वाला, अडैत।

अड़ाल पुं. (तद्.) 1. नृत्य का एक भेद, चिड़ियों के पंखों की तरह हाथ फड़फड़ा कर एक ही स्थान पर चक्कर काटना 2. मयूर नृत्य।

अड़िग वि. (तद्.) जो हिले-डुले नहीं, निश्चल, स्थिर प्रयो. वे अपने निर्णय पर अड़िग रहे।

अड़ियल वि. (तद्.) 1. अड़-अड़कर चलने वाला, चलते-चलते रुक जाने वाला, रुकने वाला 2. सुस्त, काम में देर करने वाला, मट्ठर, जिद्दी, हठी उदा. वह अड़ियल टट्टू की तरह वहीं रुक गया।

अड़िया स्त्री. (देश.) अड़डे के आकार की एक लकड़ी जिसे टेककर साधु लोग बैठते हैं, साधुओं की कुबड़ी या तकिया।

अड़ी स्त्री (देश.) 1. अड़ान, हठ, जिद 2. आग्रह, रोक वि. (तद्.) अड़ने वाला, हठी, जिद्दी।

अड़ोल वि. (तद्.) 1. अटल, जो हिले नहीं, निश्चल 2. स्तब्ध।

अड़ोस-पड़ोस वि. (तद्.) आसपास रहने वालों की बस्ती, मुहल्ला/मोहल्ला।

अड़डा पुं. (तद्.) 1. टिकने की जगह, ठहरने का स्थान 2. मिलने या इकट्ठा होने की जगह 3. वह मूल स्थान जहाँ बस-रिक्शा आदि सवारी लेने वाले वाहन खड़े रहते हैं, जहाँ से वे चलते हैं या जहाँ वे रुकते हैं 4. वह स्थान जहाँ सवारी या कामगार आदि भाड़े पर मिलें 5. असामाजिक तत्वों के मिलने या बैठने की जगह 6. लकड़ियों की वह युक्ति जिस पर जुलाहे सूत चढ़ाकर कपड़ा बुनते हैं।

अड़तिया वि. (देश.) दे. आढ़तिया।

अड़ाई वि. (तद्.) ढाई, दो और आधा।

अढ़िया स्त्री (देश.) 1. काठ, पत्थर आदि का बना हुआ छोटा बरतन 2. लोहे का पात्र जिसमें